<u>प्रकाशनार्थ</u>

गोरखपुर, 27 सितम्बर। श्रीगोरखनाथ मन्दिर में शारदीय नवरात्र में चल रहे दुर्गा पूजन के अवसर पर आज प्रातः सप्तमी को माँ कालरात्रि का पूजन हुआ एवं विधिवत् आरती गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा सम्पन्न हुई। नाथ परम्परा के अनुसार हवन अष्टमी में सायं के समय होता है इसलिए आज सायं से अष्टमी लगने के कारण परम् पूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा गौरी गणेश पूजन, वरूण पूजन, पीठ पूजन, यंत्र पूजन, स्थापित माँ दुर्गा की विधिवत् पूजन, भगवान राम–लक्ष्मण–सीता का षोडसोपचार पूजन, भगवान कृष्ण एवं गोमाता का पूजन, नवग्रह पूजन, विल्व अधिष्ठात्री देवता पूजन, शस्त्र पूजन, द्वादस ज्योर्तिलिंग–अर्धनारीश्वर एवं शिव–शक्ति पूजन, वटुक भैरव, काल भैरव, त्रिशूल पर्वत पूजन दुर्गा सप्तसती के पाठ एवं वैदिक मंत्रों के साथ हुआ। तत्पश्चात् सायं 7.00 बजे वेदी पर उगे (जमे) जई (जौ के पौधे) को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं आचार्यगण द्वारा वैदिक मंत्रों के बीच काटा गया तत्पश्चात् हवन वेदी पर ब्रह्म, विष्णु, रूद्र तथा अग्नि देवता का आह्वान एवं पूजन किया गया। इसके उपरान्त दुर्गा सरस्वती के सम्पूर्ण पाठ के साथ हवन किया गया। बलि के रूप में नारियल, गन्ना, केला, जायफर आदि का सात्विक बलि देकर पूज्य महन्त जी महाराज द्वारा शक्ति आराधना का कार्य सम्पन्न हुआ। अन्त में आरती एवं क्षमायाचना के बाद प्रसाद वितरण हुआ। रात्रि में अष्टमी की विशेष महानिशा पूजा विधिविधान से गोरक्षपीठाधीश्वर द्वारा सम्पन्न कराया गया। इस अवसर उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए परम् पूज्य महन्त जी महाराज ने कहा कि शारदीय नवरात्र शक्ति संग्रह का महापर्व है इस नवरात्र में विधि पूर्वक महाकाली, महालक्ष्मी, महासरस्वती की समष्ठी रूप, अष्टभुजा दुर्गा के प्रत्यक्ष रूप से विधि पूर्वक पूजन करने का विधान शास्त्रों में बताया गया है। महाष्टमी का महानिशा पूजा एवं सात्विक पंचबलि से न केवल शारीरिक एवं मानसिक क्लेश दूर होते है अपितु शक्ति संचय के साथ–साथ यश एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

हवन, पूजन एवं पाठ का सम्पूर्ण कार्यक्रम मठ पुरोहित पं0 रामानुज त्रिपाठी वैदिक के नेतृत्व में डॉ0 अरविन्द कुमार चतुर्वेदी, डॉ0 रोहित कुमार मिश्र, डॉ0 दिग्विजय शुक्ल, पुरूषोत्तम चौबे एवं अन्य आचार्यो द्वारा सम्पन्न कराया गया।

इस अवसर पर मठ के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, पूर्व मंत्री राजेश त्रिपाठी, भाजपा के प्रदेश मंत्री कामेश्वर सिंह, महन्त रविन्द्रदास, जर्नादन तिवारी, डॉ0 सत्या पाण्डेय, अरूणेश शाही, ई0 पी0के0मल्ल, लाला जी सिंह, अवधेश सिंह, लाला अग्रवाल , बृजेशमणि मिश्र, दुर्गेश बजाज, आर0एन0गुप्ता, डॉ0 प्रदीप राव सहित सैकड़ो श्रद्धालु एवं संस्कृत विद्यापीठ के आचार्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।